

---

# Durvasakritam Tamraparni Stotram

दुर्वासकृतं ताम्रपर्णीस्तोत्रम्

## Document Information

---

Text title : Durvasakritam Tamraparni Stotram

File name : durvAsAkRRitaMtAmraparNIstotram.itx

Category : devii, devI, tAmraparNImAhAtmya, stotra

Location : doc\_devii

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : tAmraparNImAhAtmya | adhyAya 42/60-64||

Latest update : December 13, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 13, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Durvasakritam Tamraparni Stotram

---

### दुर्वासाकृतं ताम्रपर्णीस्तोत्रम्

---



दुर्वासा उवाच ।

मलयाश्ल सभ्रूते मलयानिलसोदरि ।

मरुद्द्वेषे(?)मडाभागे मङ्गलानि प्रयश्च मे ॥ ६० ॥

नारायणि शिवे गङ्गे गौरीदेहसमुद्भवे ।

सर्वपापहरे मातस्तुभ्यं नित्यं नमो नमः ॥ ६१ ॥

मडापापपशिषुष्टं देहं मम तवाम्भसा ।

क्षालयामि जगन्मातर्मह्यं नित्यं प्रसीद मे ॥ ६२ ॥

धृति सूक्तत्रयं जम्वा स्नात्वा तत्तीर्थवारिणा ।

उन्ममज्ज जलात्तस्मात् ध्यात्वा मनसि देवताम् ॥ ६३ ॥

तत्प्रभावादाविरभूत्पुरतोऽस्य मडामुनेः ।

आलातपारुणा तन्वी तपनीयविभूषणा ॥ ६४ ॥

धृति ताम्रपर्णीमाडात्त्ये ऋ-अध्यायान्तर्गतं

दुर्वासाकृतं ताम्रपर्णीस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

ताम्रपर्णीमाडात्त्ये । अध्याय ४२/६०-६४ ॥

tAmraparNImAhAtmya . adhyAya 42/60-64..

Proofread by PSA Easwaran

---

---

*Durvasakritam Tamraparni Stotram*

pdf was typeset on December 13, 2025

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

